Appendix – I

Proforma for Synopsis (Clause 5 of the Ordinance - 45)

1. <u>Title of the Thesis :</u>

"राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास निगम – छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के विशेष संदर्भ में"

2. Introduction :- (in about 200 words)

2001 की जनगणना के अनुसार देश में 8.20 प्रतिशत जनसंख्या जनजाति समुदाय की है। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली जनजातियों का अनुपात राष्ट्रीय औसत 28.30 प्रतिशत की तुलना में ग्रामीण बी.पी.एल. परिवार 47.30 प्रतिशत काफी अधिक होना आश्चर्यजनक नहीं है। इनमें साक्षरता दर बहुत कम है। वे कुपोषण तथा बीमारियों के शिकार हैं।

जनजातियों को देश की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए संवैधानिक सुरक्षा, आरक्षण, आदिवासी उपयोजना, विशेष केन्द्रीय सहायता आदि जारी है।

केन्द्र सरकार द्वारा फरवरी,1989 में "राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम" का गठन किया गया।

उक्त निगम जनजाति समुदायों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए (1) आमदनी वृद्धि मूलक (Income Generating Scheme) के अंतर्गत कुल 127 कार्यों को तथा (2) प्रशिक्षण योजना (Indicative Training) के अंतर्गत कुल 51 स्कीमों को स्वीकृत किया है जिसके माध्यम से शिक्षित/अशिक्षित/कुशल/ अर्द्धकुशल जनजाति परिवार योजना से पर्याप्त आय अर्जित कर गरीबी रेखा से ऊपर उठ सकें।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम प्रति इकाई दस लाख रूपये तक की लागत वाली आयमूलक योजनाओं के लिए रियायती दर पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है।

जनजाति परिवार को कौशल विकास (Skill Development) और उनकी कमियों को दूर करने वाले कार्यों को दूर करने के लिए अनुदान देता है। इसके साथ ही लक्ष्य समूहों (Target Groups) द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

अनुसूचित जनजाति के वे परिवार जिनकी पारिवारिक आय गरीबी रेखा के नीचे निर्धारित आय सीमा से दुगुनी (Double) से अधिक नहीं, कृषि तथा इससे जुड़े कार्यों, उत्पादन और सेवा क्षेत्र की गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र है।

देश में दसवीं पंचवर्षीय योजना में 10 लाख आदिवासी परिवारों को उक्त योजना से लाभान्वित किया गया है।

11वीं पंचवर्षीय योजना में (2007–2012) "राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम, द्वारा प्रचलित मूल्य पर 672 करोड़ रूपये व्यय किए जाने का लक्ष्य रखा है।

निगम को स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रत्येक जिले में विकास कार्यों को लागू करने की दिशा में भौतिक तथा वित्तीय लक्ष्यों के जरिये से सहयोग प्रदान किया जाता है।

3. **<u>A brief review of the work already done in the field</u>** :

"राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम" विषय पर शोधकार्य बहुत ही कम है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा "बस्तर संभाग की आर्थिक समस्याओं" विषय पर स्वीकृत एक वृहत शोध कार्य (Major Research Project) पर उपरोक्त विषय पर शोधकार्य किया गया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम की स्थापना भारत सरकार द्वारा फरवरी, 1989 में किया गया था। शोध प्रोजेक्ट के सर्वेक्षण के अनुसार बस्तर जिले में वर्ष 1995–96 से 1999–2000 की पांच वर्ष की अवधि में निम्नानुसार जनजातियों को विभिन्न कार्ययोजना के लिए धनराशि स्वीकृत की गई थी–

	वर्ष	जनजाति हितग्राही संख्या	स्वीकृत धनरातश
(i)	1995-96	2	2,55,417
(ii)	1996-97	7	20,67,574
(iii)	1997-98	44	26,67,713
(iv)	1998-99	23	26,62,926
(v)	1999-2000	33	36,22,004
	योग	**109**	**1,12,75,634**

वर्ष 2000 के अध्ययन में बताया गया है कि 59.54 प्रतिशत धनराशि हितग्राहियों पर बकाया था। तकनीकी प्रशिक्षण, अशिक्षा, उद्यमशीलता के अभाव में वित्त निगम की योजनाएँ जनजाति वर्ग पर लाभदायक नहीं पाई गई। (Tribal Development in India - A Curtain Raiser - 2009. New Delhi)

4. <u>Objective :</u>

I. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा आयमूलक 127 कार्यों को स्वीकृत किया गया है। छत्तीसगढ़ तथा कांकेर जिले में आयमूलक कार्यों का राज्य स्तर तथा जिले स्तर पर मूल्यांकन करना।

II. निगम द्वारा 51 ट्रेनिंग कार्यों को सूचीबद्ध किया है। छत्तीसगढ़ राज्य तथा कांकेर जिले में ट्रेनिंग कार्यों (Indicative Training Programmes) का मूल्यांकन करना।

III. कांकेर जिले में सर्वेक्षित परिवारों (Beneficiaries) को निगम की योजनाओं की उपलब्धियों/समस्याओं का अध्ययन करना।

IV. निगम की योजनाओं से कांकेर जिले में आदिवासी परिवारों की गरीबी रेखा से मुक्ति पाने की स्थिति का पता लगाना।

V. कांकेर जिले में केन्द्र सरकार तथा छत्तीसगढ़ सरकार की आदिवासी विकास योजनाओं का मूल्यांकन करना।

5. **<u>Noteworthy contribution in the field of proposed work</u>** :

देश में वर्ष 2004–05 में 47.50 प्रतिशत जनजाति बी.पी.एल. परिवार से जुड़ी थी। 11वीं पंचवर्षीय योजना 2007–2012 की मध्यावधि समीक्षा, योजना आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में जनजाति जनसंख्या की निराशाजनक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए (1) सामाजिक सशक्तिकरण, (2) आर्थिक सशक्तिकरण तथा (3) सामाजिक न्याय पर विशेष ध्यान आकर्षित किया है। प्रस्तुत अध्ययन में 26 मार्गदर्शन तथा कार्यक्रमों को लागू करने की दिशा में केंद्र/राज्य शासन की योजनाओं की समीक्षा की जावेगी जिससे पता चल सके कि जनजाति जनसंख्या 21वीं शताब्दी में किस स्थिति में संघर्षरत है।

6. <u>Proposed methodology</u>:

1. जिले का चुनाव :

शोध अध्ययन के लिए कांकेर जिले के चुनाव का आधार इस प्रकार है:–

(i) कांकेर आदिवासी बहुल जिला है।

(ii) 4 विकासखंड का चुनाव।

(iii) 8 ग्राम पंचायतों का चुनाव।

(iv) अध्ययन वर्ष – (1) प्राथमिक आंकड़ों के लिए 2012–13
(2) द्वितीयक आंकड़ों के लिए 11वीं पंचवर्षीय योजना

2. आंकड़ों के संकलन की विधि :

प्राथमिक आंकड़ों के लिए साक्षात्कार सूची का प्रयोग किया जावेगा।

द्वितीयक आंकड़ों के लिए बैंक तथा विकासखंड स्तर पर निगम के भौतिक तथा वित्तीय लक्ष्यों के आंकड़ों के लिए प्रश्नावली का प्रयोग किया जावेगा।

3. उपकल्पना **Hypothesis** :

प्राथमिक आंकड़ों तथा द्वितीय आंकड़ों के लिए निम्नलिखित उपकल्पनाओं का परीक्षण किया जावेगा :–

(i) आदिवासी अर्थव्यवस्था में आदिवासी परिवारों में उद्यमशीलता का अभाव (जोखिम) पाया जाता है

(ii) निगम द्वारा कौशल विकास (Skill Development) कार्यक्रमों की विफलता (शिक्षा के न्यूनतम स्तर का परिणाम)

(iii) निगम द्वारा लागू किए जाने वाले कार्यों के बारे में आदिवासी हितग्राहियों की जानकारी असंतोषप्रद होने के कारण कार्य–योजना फलाप हो रहे हैं

(iv) निगम द्वारा जनजातियों को दी जाने वाली कम दर पर ऋण की वसूली विफल होने के कारण बैंकों में बकाया ऋण का आकार (Volume of Outstanding) बढ़ता जा रहा है।

(v) निगम द्वारा प्रायोजित कार्ययोजना का हितग्राहियों के स्तर पर मूल्यांकन (Valuation cum monitoring) नहीं होने के कारण कार्यक्रम असफल होते जा रहे हैं।

4. सांख्यिकीय प्रयोग :

आवश्यकतानुसार सांख्यिकीय गणना से परिणामों का मूल्यांकन किया जावेगा।

Appendix - 1

National Scheduled Caste & Scheduled Tribes Finance and Development Corporation

List of Indicative Schemes

A-Income Generating Schemes

1. Agricultural Implements.
2. Agricultural land purchase.
3. Automobile workshop/spare parts.
4. Bakery
5. Bamboo furniture making
6. Band party/orchestra
7. Battery making
8. Beauty Parlor/Health Center
9. Bicycle repairing shop
10. Bicycle Jeep cover making
11. Bio-gas plant
12. Blood Bank
13. Book Binding/Book Shops
14. Brick manufacturing
15. Bullock/Cement cart
16. Cable T.V.
17. Candle Manufacturing
18. Carpet Manufacturing
19. Card shops
20. Car upholstery & seat making
21. Cement solid blocks
22. Chemist/cosmetic shops
23. Clerical labs.
24. Cloth merchant
25. Coir industry

26. Computer Center (Data processing &Trg.)
27. Computer Hardware & Servicing
28. Copper wires/utensils Manufacturing
29. Cultivation and processing of Medicinal plant
30. Dairy
31. Dental Clinic
32. Departmental Stores
33. Desktop Printing
34. Dhaba & Restaurant
35. Driving School
36. Duckery
37. Earth Moving Equipments
38. Electronic service center
39. Exercise books & Register making
40. Eye clinic
41. Fisheries
42. Fiber glass Manufacturing
43. Floriculture
44. Flour/Rice Mills
45. Fruits/Vegetable shops
46. Furniture Making
47. Food processing
48. Footwear units
49. Gas Agency
50. Gem stone cutting and polishing
51. Ginger & Turmeric processing
52. Goatery
53. Granite tiles
54. Grocery shops
55. Handicrafts
56. Handlooms
57. Hand made papers
58. Hardware & Paints
59. Hatcheries
60. Honey bee cultivation

61. Horticulture
62. Hosiery units
63. Jute-Fabrics/Bags
64. Laundry/dry cleaning shops
65. leather garments
66. Leather processing
67. Leather & Rexene Articles
68. Lime Kilns.
69. Machines shops
70. Marble polishing
71. Mineral water bottling plant
72. Milk chilley Centre's/Booths
73. Mobile crane
74. Nursing Home/Hospital
75. Nursery School
76. Omaments polishing units
77. Oil Mills
78. Passanger/fishing boats
79. Photo Studio
80. Piggery
81. Plastic bag Manufacturing
82. Potteries
83. Pouch making
84. Poultry
85. Power Tillers
86. Power works
87. Prawn culture
88. Printing press
89. Public Address System
90. Pump Set/Minor Irrigation
91. Rabbit rearing
92. Readymade garments
93. Ropeway
94. Rubber Industry
95. Sales & Servicing of electronic items

96. Saw Mills
97. Scaffolding centresMaterial supplying unit
98. Seeds and pesticides shops
99. Sericulture development
100. Shot Chappal manufacturing
101. Shopping complex
102. Shuttering
103. Spice grinding
104. Soft stuffed toys making
105. Spray painting
106. Supari manufacturing
107. Silk weaving
108. Spray painting unit
109. Stationery shop
110. STD/ISD booths
111. Steel fabrication
112. Stone crushing
113. Sweetshops
114. Tailoring
115. Tannery
116. Tent House/Decorators
117. Transport vehicles/Autos, Taxies, Buses(Trucks)
118. Travel Agency
119. T.V. Audio-video/Refrigerator/A.C. Repair
120. Typing School
121. Tyre retreading
122. Tyre serving & Vulcanizing
123. Umbrella making
124. Video grapy
125. Water sports equipments
126. Wooden steel furniture
127. Xerox Fax/Typing & Lamination centre

Appendix-II

National Scheduled Castes & Scheduled Tribes Finance And Development Corporation

B. Indicative Training Programmers

1. Auxiliary Nurse and Midwifery Training.
2. Automobile Repair Centre for two/three/four wheelers
3. Agarbatti Making
4. Beauty culture course
5. Bakery
6. Brassware
7. Borewell & I.P. Set repairing
8. Carpentry
9. Cane & Bamboo work
10. Computer Hardware
11. CCA & DTP Computer course
12. Computer Hardware
13. Diploma in Medical Lab Technician
14. Diploma in Fashion Designing
15. Electrical wiring
16. Entrepreneur ship Development Programme
17. Embroidery
18. Footwear Making
19. fitting & Plumbing
20. fitting & Turning
21. Fish Cultivation
22. fitter
23. floriculture
24. Handloom weaving
25. Koraimat weaving
26. Knitting
27. Leather Articles making.
28. Leather Processing
29. Motor Driving

30. Manufacturing of Paints.
31. Masonry work.
32. Machining & Welding
33. Orchid Cultivation
34. Optimum utilization of medical equipment
35. Pickles preparation
36. Paper Toy making
37. Paper Recycling
38. P.G. Diploma in Electronic Mfg. Practices & Q.A.
39. Plumbing & sanitary work
40. Repairing of Domestic electrical applicances etc.
41. Sales & Servicing of watches
42. Screen printing
43. Synthetic leather
44. Silk Reeling
45. Soap Artisan
46. Tailoring
47. TV. & Radio Repairing
48. Village Oil Artisan
49. Wood carving
50. Welding & soldering
51. X-ray technician

7. **Expected outcome of the proposed work** :

छत्तीसगढ़ में 57.17 लाख (32.45 प्रतिशत) जनजाति परिवारों का सामाजिक विकास संकेतक (Social Development Index) न्यूनतम स्तर पर है। प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार के अवसरों पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर (Social Development Index) सामाजिक विकास संकेतक को सुदृढ़ करने की अपेक्षा की जा सकती है।

8. **Bibliography in standard format** :

1. छत्तीसगढ़, विकास का मुक्ताकाश – छत्तीसगढ़ संवाद द्वारा जनसम्पर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन के लिए आकल्पित एवं प्रकाशित, छत्तीसगढ़ राज्य उत्सव 2004, पृष्ठ–396–399
2. छत्तीसगढ़ राज्य के जिला स्तरीय सामाजार्थिक विकास संकेतक 2005, आर्थिक एवं सांख्यिकीय संचालनालय, छत्तीसगढ़
3. भारत 2007, प्रकाशन विभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
4. संभाव्यता युक्त ऋण योजना 2007–08, छत्तीसगढ़ जिला– कांकेर, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक, छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर
5. बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ शासन 2007
6. भारत की दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002–2007) योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली, खंड–2
7. जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, वार्षिक रिपोर्ट 2003–04 भारत सरकार, नई दिल्ली
8. पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, प्रशासकीय प्रतिवेदन, 2007–08 रायपुर
9. माहेश्वरी एस.आर., भारत में ग्रामीण विकास, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 1985
10. छत्तीसगढ़ का सांख्यकीय संक्षेप, आर्थिक एवं सांख्यकीय संचालनालय, रायपुर, 2005
11. Dr. P.R. Naidu, Tribal Development in India, A Curtain Raiser, Adhyayan publishers & Distributors, New Delhi 2009.
12. Indian Social Development Report2010, The land question and the marginalized, Council for Social Development, Oxford University Press.
13. Eleventh Five Year Plan 2007-2012, Volume- III Agriculture, Rural Development, Industry, Services and Physical infrastructure, Planning Commission, Govt. of India, Oxford University Press.
14. Eleventh Five Year Plan 2007-2012, Volume-I, Inclusive Growth, Planning Commission, Govt. of India, Oxford University Press.

15. Eleventh Five Year Plan 2007-2012, Volume-II, Social Sector, Planning Commission, Govt. of India, Oxford University Press.

9. **List of the published papers of the candidate** :

निरंक

Signature of the Supervisor

Signature of the Candidate

Forwarded

Chairman, DRC

"राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास निगम – छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के विशेष संदर्भ में"

सार – संक्षेप (SYNOPSIS)

अध्याय 1 प्रस्तावना

1.1 छत्तीसगढ़ के आदिवासी परिदृश्य

1.2 कांकेर जिले की आदिवासी स्थिति

1.3 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास निगम

अध्याय 2 छत्तीसगढ़ में आदिवासी विकास

2.1 छत्तीसगढ़ में आदिवासी विकास केन्द्र/राज्य सरकार की योजनाएँ

2.2 बस्तर विकास प्राधिकरण

2.3 कांकेर जिले में आदिवासी विकास योजनाएँ
आदिवासी उपयोजना, विशेष केन्द्रीय सहायता,
पंचायत विभाग की स्थानीय योजनाएँ

अध्याय 3 शोध तकनीक

3.1 विषय का चुनाव

3.2 जिले का चुनाव

3.3 आदिवासी हितग्राही का चुनाव

3.4 अध्ययन वर्ष

3.5 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास की योजनाएँ
(विस्तृत शोध तकनीक संलग्न है)

अध्याय 4 स्थल सर्वेक्षण (Field Survey)

4.1 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास योजनाएँ (भौतिक/वित्तीय लक्ष्य) कांकेर जिले के संदर्भ में

4.2 विकासखंड स्तर पर उपलब्धि

4.3 ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्धि

4.5 आदिवासी परिवारों का मूल्यांकन

अध्याय 5 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास निगम की योजनाएँ

5.1 जिला स्तर पर

5.2 विकासखंड स्तर पर

5.3 ग्राम पंचायत स्तर पर

5.4 वित्तीय संस्थाओं की समस्याएँ

5.5 सर्वेक्षित आदिवासी परिवारों की समस्याएँ

अध्याय 6 वित्तीय समस्याओं की भूमिका

6.1 राष्ट्रीयकृत बैंक

6.2 केन्द्रीय सहकारी बैंक

6.3 छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक

अध्याय 7 शोध अध्ययन का सारांश एवं सुझाव